



# Shree Greater Bombay Vardhman Sthanakvasi Jain Mahasangh-Mumbai

Conducted

MATUSHREE MANIBEN MANSI BHIMSHI CHHADVA DHARMIK SHIKSHAN BOARD – MUMBAI

धार्मिक शिक्षण बोर्ड

Website : jaineducationboard.org

E-mail : jainshikshanboard@gmail.com

१७ जुलाई २०२२ – जैनशाणा पेपर - गुण : १०० - समय : २ से ५

## श्रेणी-१

Student Name		Roll No.	
Date of Birth		Mobile No.	
Sangh Name		Supervisor Name	
Jainshala Name		Supervisor's Signature	

### Marks

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	Total

प्रश्न. १ (अ) नीचेना पाठनी पूर्ति करो.

(२०)

- १) ओसा ....., ....., ....., मक्कडा
- २) न पालियं ....., ....., ....., आणाअे
- ३) वंदामि ....., ....., ....., मंगलं
- ४) लोगस्स ....., ....., ....., किर्त्तईस्सं
- ५) सिव ....., ....., ....., मव्वाबाह

प्र. १ (ब) साचो शब्द शोधी ने लखो. / नीचेना शब्दोनु मागधी लखो:

(०५)

(नमो उवज्झायाणं, ठाणेणं, वत्तिया, कल्लाणं, विसोही करणेणं)

- १) धूळ आदिथी ढांक्या होय.  
\_\_\_\_\_
- २) उपाध्याय भगवंतोने नमस्कार होजो.  
\_\_\_\_\_
- ३) आप कल्याण स्वरुप छो.  
\_\_\_\_\_
- ४) आत्माने वधारे निर्मळ करवाने.  
\_\_\_\_\_
- ५) अेक ज स्थानके स्थिर राखीने.  
\_\_\_\_\_

प्र. १ (ग) जोडका जोडो.

(१०)

- |                 |                          |                                  |
|-----------------|--------------------------|----------------------------------|
| १) चेईयं        | <input type="checkbox"/> | १) त्रणवार                       |
| २) पणग          | <input type="checkbox"/> | २) झाकळ-ठार                      |
| ३) पावाणं       | <input type="checkbox"/> | ३) चक्कर - फेर आववाथी            |
| ४) झाणेणं       | <input type="checkbox"/> | ४) आचार्य भगवंतोने नमस्कार होजो. |
| ५) किलामिया     | <input type="checkbox"/> | ५) छींक आववाथी                   |
| ६) छीअेणं       | <input type="checkbox"/> | ६) किलामना                       |
| ७) नमो आयरियाणं | <input type="checkbox"/> | ७) मनने अेकाग्र करीने            |
| ८) तिक्खुतो     | <input type="checkbox"/> | ८) पापथी                         |
| ९) ओसा          | <input type="checkbox"/> | ९) आप ज्ञान स्वरुप छे.           |
| १०) भमलीअे      | <input type="checkbox"/> | १०) पंचवर्णी लील फुग सेवाळ       |

प्र. २ (अ) मात्र नंबर लखो.

(०५)

- |   |                          |
|---|--------------------------|
| १) सिध्ध भगवानने केटला कर्म होय ?                   | <input type="checkbox"/> |
| २) उपाध्याय भगवान नां गुण केटला होय ?               | <input type="checkbox"/> |
| ३) माळा ना मणका केटला होय ?                         | <input type="checkbox"/> |
| ४) नवकार ना छेल्ला त्रण पद वाळा ने केटला कर्म होय ? | <input type="checkbox"/> |
| ५) अरिहंत भगवानने केटला गुण होय ?                   | <input type="checkbox"/> |

प्र. २ (ब) साचुं छे के खोटुं ते लखो.

(१०)

- |  |                      |
|--|----------------------|
| १) मुनि, श्रमण, अणगार निग्रंथ अे धर्मगुरुनां नाम छे. | <input type="text"/> |
| २) सिध्ध भगवानने शरीर होय.                           | <input type="text"/> |
| ३) वंदन करवानुं फळ कृष्ण महाराजाने मळ्युं हतुं.      | <input type="text"/> |
| ४) उत्कृष्ट वंदना गोदोहिका आसने बेसीने कराय छे.      | <input type="text"/> |
| ५) वंदना करवाथी उच्च गोत्र नो बंध थाय छे.            | <input type="text"/> |
| ६) सिध्ध भगवान गुरु छे.                              | <input type="text"/> |
| ७) अरिहंत भगवानने २७ गुणो होय छे.                    | <input type="text"/> |
| ८) तीर्थनी स्थापना करनार पुरुषने श्रावक कहेवाय छे.   | <input type="text"/> |
| ९) गुरु वंदन त्रणवार कराय छे.                        | <input type="text"/> |
| १०) नाम अने गोत्र अघाती कर्म छे.                     | <input type="text"/> |

प्र. ३ (क) अयोग्य शब्द शोधीने (Circle) करो.

(१०)

- १) सुंदरी, सीता, सुभद्रा, सुविधिनाथ
- २) कामदेव, महाशतक, प्रभास, सुरादेव
- ३) देवतत्व, गुरुतत्व, धर्मतत्व, मोक्षतत्व
- ४) त्रसकाय, पृथ्वीकाय, पद्मावती, तेउकाय
- ५) पुण्यतत्व, पापतत्व, देवतत्व, बंधतत्व
- ६) सुविधिनाथ, सालिहीपिता, सुपार्श्वनाथ, सुमतिनाथ
- ७) निग्रंथगुरु, नामकर्म, केवळी प्ररुपितधर्म, अरिहंतदेव
- ८) अजितनाथ, अग्निभूति, अकंपितजी, अचलभ्राता
- ९) दमयंती, आनंद, राजेमति, कुंता
- १०) अरनाथ, अनंतनाथ, अभिनंदनस्वामी, सुधर्मास्वामी

प्र. ३ (ख) खाली जग्यामां नाम के नंबर लखो.

(०५)

- १) २३मां तिर्थकर .....
- २) १ला गणधर .....
- ३) ..... जीवतत्व
- ४) ..... वेदनीय
- ५) ..... महावीर स्वामी

प्र. ४ (क) खाली जग्या पूरो.

(०५)

- १) (मुहपति/ठवणी) ..... जैन धर्मनुं चिन्ह छे.
- २) जैन धर्मनुं ज्ञान ..... (जैनशाळामां/स्कूलमां) शीखववामां आवे छे.
- ३) जमतां पहेला हुं पांचवार ..... (नवकारमंत्र/पीकचरनां गीत) नुं स्मरण करीश.
- ४) अमूल्य मानवभव गुमावे ते ..... (दास/मुख) छे.
- ५) धर्मनुं मूळ ..... (विनय/विवेक) छे.

प्र. ४ (ख) साचा जवाब उपर (Right) करो.

(०५)

- १) अत्यारे कोनुं शासन चाले छे ?
१. भगवान महावीर स्वामी नुं
२. भगवान ऋषभदेव नुं
३. भगवान पार्श्वनाथ नुं
- २) मारुं सारुं करनार कोण ?
१. मनने जीते ते
२. हुं पोते ज
३. मारुं सारुं करनार सामेवाळो छे.
- ३) शुं सहन करवुं
१. सुख
२. सारीवातो
३. दुःख
- ४) 'जय जिनेन्द्र' बोलवाथी शुं लाभ थाय छे ?
१. जिनेश्वर भगवंतोनो जय थाय छे.
२. खराब भावो जागे.
३. जिवन बगडे
- ५) सिनेमा जोवाथी थतां नुकशान ?
१. आंख बगडे.
२. पैसानो बगाड थाय नहीं.
३. चोरीनुं मन थाय.

प्रश्न ४) (ग) अक ज शब्दमां जवाब लखो.

(०५)

- १) जमती वखते शुं राखीश .....
- २) मनने जीते ते कोण ? .....
- ३) लाकडानी बनेली अने पुस्तक मुकवानुं योग्य साधन .....
- ४) ऊननो बनेलो छुं .....
- ५) हुं कोण छुं .....

**प्रश्न ५) साच्चु छे के खोटु ते लखो.**

(१०)

- १) अमरकुमार ३२ लक्षणवाळो बाळक हतो.
- २) भगवान महावीरना पगमां डंख वागतां लोहीनी धारा वहेवा लागी.
- ३) विजयसेन राजाना पुत्र अतिमुक्त कुमार हतां
- ४) मारी होडी पाणीमां तरे छे.
- ५) अमरकुमार ने गायत्रिमंत्र याद आव्यो.
- ६) भगवान महावीर अेक वर्षमां रोज १ करोड, ८ लाख सुवर्णमुद्रानुं दान करतां हतां.
- ७) भगवान महावीरनां भाईनुं नाम नंदीवर्धन अने बहेननुं नाम सुदर्शना हतुं.
- ८) श्रेणीक राजा चित्रशाणा बंधावता हतां.
- ९) जीव पोतानां कर्मोथी, नारकी, तिर्यंच, मनुष्य, देवगतिमां उत्पन्न थाय छे.
- १०) साप मरीने देव थयो.

**प्रश्न. ६) नीचेनी गाथामांथी साचा जवाब शोधीने लखो.**

(१०)

- १) जन्म्या छे तो धर्मने माटे .....  
(ए) जीववुं छे तो धर्मने माटे, (बी) मरवुं छे तो धर्मने माटे, (सी) महावीरना संतान छे.
- २) वहेला ऊठी जईअे .....  
(ए) जंबु जेवा थईअे, (बी) नवकार मंत्र गणीअे, (सी) मृगावती बनीअे.
- ३) अखिल लोके मुनिराजो .....  
(ए) वहालो मंत्र बोलीने, (बी) करी भस्म कर्मोने, (सी) जगतना मोह मारीने
- ४) देव अमारा अरिहंतोने .....  
(ए) धर्म दया प्रधान छे, (बी) नव तत्वोनुं ज्ञान छे, (सी) गुरु अमारा निर्ग्रन्थो.
- ५) प्रभु ते पंचपरमेष्ठी .....  
(ए) नमुं छुं भावथी तेने, (बी) प्रथम मंगल गणुं जेने, (सी) सकल मंगल महीं मंगल.
- ६) नानां नानां भूलकां .....  
(ए) जाणे गुलाब फुलडां, (बी) गुस्सो नहि करीअे, (सी) मोटा ज्यारे थईअे.
- ७) वहालो मंत्र बोलीने .....  
(ए) अखिल लोके मुनिराजो, (बी) वर्या छे ज्ञान केवळने, (सी) हवे लेवा अमर पदने.
- ८) श्रद्धा भरी छे अंतरमां ने .....  
(ए) रंग लाग्यो छे रगरगमां, (बी) तन मन धन कुरबान छे, (सी) धर्म दया प्रधान छे.
- ९) चंदनबाळा बनीअे .....  
(ए) आपणे बनवुं गौतम, (बी) सीता जेवा थईअे, (सी) मृगावती बनीअे
- १०) आपणे कोना शासनमां छीअे ? .....  
(ए) गौतमस्वामी, (बी) महावीर स्वामी, (सी) जंबूस्वामी